

घर आशिष

(17th June 2024)

प्रवेश गान

आए प्रभु हम तेरे द्वार, तुझी से ये घर और संसार,
तेरी कृपा हम सब पर हो प्रभु, महिमा तेरी अपार।

1. तू हर मन की आशा, तू हर मन की भाषा, कोई न हमारा
तेरे सिवा, मिलके गाएँ हम सब तेरा ही सुगान,
चरणों में तेरी खुशियाँ अपार।
2. तेरे मंदिर में हम, जीवन पाने आए, दिल है एक हमारा
तूने दिया दूर रहे पापों से, हो तेरा ही मान, तेरे सिवा और
क्या चाहिए।
3. भर दे प्रेम दया से मन का हर एक कोना, निर्मल मन
हमारा तूने दिया तेरी पूजा से मन होता है पावन, सब
कुछ मिला और क्या चाहिए।

दया याचना

भगवन दया करो भगवन दया करो हमपर -2
खीस्त प्रभुवर क्षमा करो, क्षमा करो हम को -2
भगवन दया करो भगवन दया करो हमपर -2
क्षमा करो भगवन, दया करो भगवन, क्षमा करो भगवन।

महिमा गान

महिमा तुझे महिमा हो तू राजेश्वर विराजमान
स्वर्ग के ऊँचे सिंहासन पर।

1. देख पिता तेरी मंडली, -2 येशु ने लहू में उसे है धो डाला
पवित्र आत्मा बना उसका उजाला स्तुति तेरी अब है करती,
सारी दुनिया में मंडली।
2. येशु देह धारी भगवान -2, तू अकेला है जग मुक्तिदाता
तू अकेला जीवन दाता, प्रभु येशु पवित्र आत्मा संग
पिता की महिमा में, आमेन।

अंतर भजन

तुझसे मिली है जिंदगी, कैसे मेरा कहूँ
प्रभु से जुड़ी है जिंदगी, कैसे तोड़ दूँ --(2)

1. जब जब तूझको पुकारा तूने मेरी सुनली,
हात पकड़कर संग चलकर प्रभु ने राह दिखाई।
2. तेरा बुलावा सुनकर मैंने प्रभु को स्वीकार किया चरणों में
आकर मुझको मिली खुशियाँ प्रेम अपार।

अल्लेलूया

सारा जग प्रभु आत्मा से आबाद है, अल्लेलूया, अल्लेलूया।
सारी दुनिया वही सँभाले, सारी चीजें देखे-भाले,
सब तक पहुँचे उसकी ही आवाज है, अल्लेलूया, अल्लेलूया
अल्लेलूया

चढ़ावा

क्या फूल चढ़ाऊँ मैं प्रभु के चरणों में कहां कैसे क्या उपहार दूँ
मैं समझना पाऊँ मुझे बता दे प्यारे प्रभु क्या पसंद है मेरे प्रभु
उसे तोड़ लाऊँ तेरे लिए उसे चुन लाऊँ तेरे लिए।

1. मेरा ये जीवन तुझको समर्पण, करता हूँ मैं प्रभु तेरे लिए
उसे तोड़ लाऊँ तेरे लिए उसे चुन लाऊँ तेरे लिए।
2. रोटी और दाखरस प्रभु को अर्पण, ग्रहण कर ले पावन बना
दे उसे तोड़ लाऊँ तेरे लिए उसे चुन लाऊँ तेरे लिए।
3. थाली में फल फूल लाए हैं हम, प्रभु के चरणों में
उसे तोड़ लाऊँ तेरे लिए उसे चुन लाऊँ तेरे लिए।

पावन

पावन, पावन, पावन ईश्वर 2 स्वर्ग महिमा दिखाता तेरी 2
स्तुति तव गाती पृथ्वी सारी 2 जय जय जय प्रभु जय हो तेरी-2
पावन पावन पावन ईश्वर।

विश्वास का रहस्य

हैं प्रभु जब हम यह रोटी खाते हैं और यह कटोरा पीते हैं। - 2
तेरे पुनरुद्धार तक तेरी मृत्यु की घोषणा करते हैं। - 2

पिता हमारे

पिता हमारे तू जो करता, स्वर्गधाम में वास,
पावन तेरा नाम सदा हो, आवे तेरा राज,
स्वर्ग समान हो तेरी इच्छा, धरती तल पर पूरण,
हर दिन का आहार हमारा, कर दे आज प्रदान,
और हमारे अपराधों को, क्षमा दान कर नाथ,
जो अपने अपराधी जन को, हम करते हैं माफ,

न परीक्षा ले हमारी, किन्तु बुराई से बचा।

ईश-मेमना

ईश्वरीय मेमने पापी जग का तारणहार, हम पर दया कर x 2

ईश्वरीय मेमने पापी जग का तारणहार, हमें शान्ति प्रदान कर

पवित्र परमप्रसाद

आओ हम जाएँ प्रभु चरणों में, संजीवन जल पीने को। -2

1. प्रभु ने कहा है, तुम जो प्यासे पास आओ। -2
बनो विश्वासी, मुझमें विश्वासी।
2. प्रभु ने कहा है, पिता परमेश्वर जो सच्चा है। -2
उसने मुझको जगत में भेजा।
3. प्रभु ने कहा है, जिसने मुझे देख लिया है। -2
समझो उसने पिता को देखा।

घर आशिष

आशिष अपनी इस घर में बरसा तू प्रभु प्यारे,
बन जाए यह सुंदर धाम, तेरे ही प्रभु चरण तले ओ.
आशिष अपनी इस घर में बरसा तू प्रभु प्यारे।

1. चिर आनन्द का यह प्रांगण, ज्योति बने प्रभु तेरे संग।
तेरी ही महिमा में ओ, ओ
 2. जब भी संकट हमें सतावे प्रभु ही रक्षक हमें संभाले जीवन
भर। गान करें तेरी महिमा का संगीत ओ, ओ
-